Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का तुलनात्मक अध्ययन: भोपाल एवं हरदा जिलों के विशेष संदर्भ में

सोनिया मोढ़

असिस्टेंट प्रोफेसर, हरदा डिग्री कॉलेज, जिला हरदा

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के विभिन्न आयामों का तुलनात्मक अध्ययन करना है, विशेष रूप से भोपाल (शहरी) एवं हरदा (ग्रामीण) जिलों के संदर्भ में। अध्ययन में कुल 400 शिक्षकों को नमूने में शामिल किया गया, जिनमें से 200 शिक्षक सरकारी विद्यालयों से (100 भोपाल + 100 हरदा) एवं 200 शिक्षक निजी विद्यालयों से (100 भोपाल + 100 हरदा) थे। डेटा संग्रह के लिए एक मानकीकृत प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जिसमें व्यावसायिक नैतिकता के छह प्रमुख आयामों- छात्रों के प्रति दायित्व, माता-पिता के प्रति दायित्व, समुदाय के प्रति दायित्व, पेशे के प्रति दायित्व, सहकर्मियों के प्रति दायित्व एवं कुल व्यावसायिक नैतिकता- को मापा गया। परिणामों ने संकेत दिया कि निजी विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का स्तर सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना में सभी आयामों में उच्च पाया गया। शिक्षकों (पुरुष) एवं शिक्षिकाओं (महिला) के बीच भी नैतिकता के स्तर में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। अध्ययन ने सुझाव दिया कि सरकारी विद्यालयों में नैतिकता संवर्धन हेतु विशेष प्रयास किए जाने चाहिए।

कीवर्ड: व्यावसायिक नैतिकता, सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, माध्यमिक शिक्षक, भोपाल, हरदा, लिंग तुलना

1. परिचय

शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी एवं निजी विद्यालयों की अपनी अलग-अलग भूमिकाएँ एवं चुनौतियाँ हैं। सरकारी विद्यालय समाज के सभी वर्गों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को शिक्षा प्रदान करने का दायित्व निभाते हैं, जबकि निजी विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विकल्प प्रस्तुत

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

करते हैं। दोनों प्रकार के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का स्तर शैक्षिक गुणवत्ता एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास को सीधे प्रभावित करता है ।

व्यावसायिक नैतिकता शिक्षकों के आचरण एवं व्यवहार का मार्गदर्शन करती है। यह सुनिश्चित करती है कि शिक्षक अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी से करें। NCTE (2014) द्वारा विकसित आचार संहिता में शिक्षकों के छात्रों, माता-पिता, समुदाय, सहकर्मियों एवं पेशे के प्रति कर्तव्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है ।

मध्य प्रदेश के भोपाल एवं हरदा जिले शैक्षिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। भोपाल एक शहरी केंद्र है जहाँ अनेक प्रतिष्ठित सरकारी एवं निजी विद्यालय हैं। हरदा मुख्य रूप से ग्रामीण जिला है, जहाँ शैक्षिक संसाधन सीमित हैं। IES University एवं RIE Bhopal जैसे संस्थान शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, किंतु इन संस्थानों के प्रयासों का प्रभाव सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों पर किस प्रकार पड़ता है, इसका तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षाकृत कम हुआ है ।

प्रस्तुत अध्ययन की विशिष्टता यह है कि यह सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के छह प्रमुख आयामों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है, साथ ही इसमें शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के बीच तुलना भी की गई है। यह अध्ययन शैक्षिक प्रशासकों एवं नीति निर्माताओं को सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करने में सहायक हो सकता है।

2. साहित्य समीक्षा

व्यावसायिक नैतिकता पर किए गए अध्ययनों ने विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला है। Al-Hothali (2018) ने रियाद में किए गए अपने अध्ययन में पाया कि शिक्षकों के व्यावसायिक प्रदर्शन में नैतिकता का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षकों के लिए एक स्पष्ट आचार संहिता विकसित करने की सिफारिश की ।

भारतीय संदर्भ में, NCTE (2014) ने शिक्षकों के लिए एक व्यापक आचार संहिता विकसित की है, जिसमें निम्नलिखित पर बल दिया गया है:

- छात्रों के प्रति: निष्पक्षता, सम्मान, गोपनीयता, एवं सर्वांगीण विकास हेतु प्रयास।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

- माता-पिता के प्रति: नियमित संचार, सहयोग, एवं सम्मान।
- समुदाय के प्रति: सामुदायिक मूल्यों का सम्मान एवं सामुदायिक विकास में योगदान।
- पेशे के प्रति: व्यावसायिक मानकों का पालन, निरंतर अधिगम, एवं पेशे की गरिमा बनाए रखना।
- सहकर्मियों के प्रति: सहयोग, सम्मान, एवं व्यावसायिक संबंधों में मर्यादा।

RIE Bhopal (2002) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार ने शिक्षक शिक्षा में मूल्य समावेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। सेमिनार की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि शिक्षकों को न केवल शैक्षिक ज्ञान बल्कि नैतिक मूल्यों को भी छात्रों तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ।

IES University के B.Ed कार्यक्रम के उद्देश्यों में स्पष्ट रूप से नैतिक सिद्धांतों और जिम्मेदारियों को लागू करने पर बल दिया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नैतिक रूप से जागरूक और जिम्मेदार बनाना है ।

शर्मा (2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वर्मा एवं गुप्ता (2019) ने संकेत दिया कि शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता उनके जनसांख्यिकीय चरों (लिंग, शैक्षिक योग्यता, अनुभव) से प्रभावित होती है।

3. अध्ययन के उद्देश्य

1. भोपाल एवं हरदा जिलों के सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता (छात्रों के प्रति दायित्व, माता-पिता के प्रति दायित्व, समुदाय के प्रति दायित्व, पेशे के प्रति दायित्व, सहकर्मियों के प्रति दायित्व एवं कुल व्यावसायिक नैतिकता) का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों (पुरुष) के मध्य व्यावसायिक नैतिकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. सरकारी एवं निजी विद्यालयों की शिक्षिकाओं (महिला) के मध्य व्यावसायिक नैतिकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

4. शैक्षिक योग्यता एवं शिक्षण अनुभव के आधार पर शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता में अंतर का विश्लेषण करना।

4. परिकल्पनाएं

1. **शून्य परिकल्पना (H01):** सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
2. **शून्य परिकल्पना (H02):** सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों (पुरुष) के मध्य व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
3. **शून्य परिकल्पना (H03):** सरकारी एवं निजी विद्यालयों की शिक्षिकाओं (महिला) के मध्य व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
4. **शून्य परिकल्पना (H04):** विभिन्न शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

5. शोध विधि

5.1 अध्ययन का प्रकार

इस अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

5.2 जनसंख्या और नमूना

अध्ययन की जनसंख्या भोपाल एवं हरदा जिलों के सभी सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक थे। नमूना चयन के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया गया। कुल 400 शिक्षकों को नमूने में शामिल किया गया, जिनका विवरण इस प्रकार है:

तालिका 5.1: नमूने का विवरण

विद्यालय प्रकार	जिला	शिक्षक (पुरुष)	शिक्षिका (महिला)	कुल
सरकारी	भोपाल	50	50	100
सरकारी	हरदा	50	50	100
निजी	भोपाल	50	50	100
निजी	हरदा	50	50	100

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

कुल		200	200	400

5.3 डेटा संग्रह उपकरण

डेटा संग्रह के लिए एक स्व-निर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया। प्रश्नावली में दो भाग थे:

- **भाग क:** शिक्षकों की व्यक्तिगत जानकारी (आयु, लिंग, शैक्षिक योग्यता, शिक्षण अनुभव, विद्यालय का प्रकार, जिला)।
- **भाग ख:** व्यावसायिक नैतिकता पैमाना, जिसमें 30 कथन शामिल थे, जो पांच आयामों (प्रत्येक में 6 कथन) में विभाजित थे। कथनों को 5-बिंदु लिकर्ट पैमाने (हमेशा से लेकर कभी नहीं) पर मापा गया।

प्रश्नावली की विश्वसनीयता क्रोनबैक अल्फा गुणांक के माध्यम से जांची गई, जो 0.92 पाई गई, जो उच्च विश्वसनीयता को दर्शाती है। वैधता हेतु विशेषज्ञों की राय ली गई।

5.4 डेटा संग्रह प्रक्रिया

शोधकर्ता ने भोपाल एवं हरदा जिलों के विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों का दौरा किया और प्रधानाचार्यों से अनुमति लेने के बाद शिक्षकों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर प्रश्नावली वितरित की। डेटा संग्रह सितंबर से दिसंबर 2024 के बीच किया गया।

6. डेटा विश्लेषण और परिणाम

डेटा विश्लेषण के लिए SPSS सॉफ्टवेयर (संस्करण 26) का उपयोग किया गया। सांख्यिकीय तकनीकों में माध्य, मानक विचलन, स्वतंत्र टी-परीक्षण और ANOVA शामिल थे।

6.1 सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का तुलनात्मक विश्लेषण

तालिका 5.2: सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों के नैतिकता स्कोर की तुलना

आयाम	सरकारी (n=200)	निजी (n=200)	टी-मूल्य	पी-मूल्य
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

छात्रों के प्रति दायित्व	4.20	0.58	4.30	0.52
माता-पिता के प्रति दायित्व	4.05	0.62	4.12	0.58
समुदाय के प्रति दायित्व	3.88	0.69	3.98	0.65
पेशे के प्रति दायित्व	4.13	0.60	4.23	0.54
सहकर्मियों के प्रति दायित्व	3.95	0.64	4.08	0.59
कुल व्यावसायिक नैतिकता	**4.04**	**0.56**	**4.14**	**0.51**

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

टी-परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ($t = -1.89$, $p > 0.05$), यद्यपि यह लगभग महत्वपूर्ण सीमा तक पहुँच गया ($p = 0.059$)। केवल "सहकर्मियों के प्रति दायित्व" आयाम में निजी विद्यालयों के शिक्षकों का स्कोर (माध्य = 4.08) सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों (माध्य = 3.95) से महत्वपूर्ण रूप से अधिक पाया गया। शून्य परिकल्पना (H01) स्वीकार की जाती है।

6.2 सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों (पुरुष) की तुलना

तालिका 3: सरकारी एवं निजी विद्यालयों के पुरुष शिक्षकों के नैतिकता स्कोर की तुलना

आयाम	सरकारी पुरुष (n=100)	निजी पुरुष (n=100)	टी-मूल्य	पी-मूल्य
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन
छात्रों के प्रति दायित्व	4.12	0.62	4.24	0.54

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

माता-पिता के प्रति दायित्व	3.96	0.66	4.08	0.60
समुदाय के प्रति दायित्व	3.82	0.72	3.94	0.66
पेशे के प्रति दायित्व	4.05	0.64	4.19	0.56
सहकर्मियों के प्रति दायित्व	3.88	0.68	4.02	0.60
कुल व्यावसायिक नैतिकता	**3.97**	**0.59**	**4.09**	**0.53**

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

परिणाम बताते हैं कि सरकारी एवं निजी विद्यालयों के पुरुष शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ($t = -1.53$, $p > 0.05$)। शून्य परिकल्पना (H02) स्वीकार की जाती है।

6.3 सरकारी एवं निजी विद्यालयों की शिक्षिकाओं (महिला) की तुलना

तालिका 5.4: सरकारी एवं निजी विद्यालयों की महिला शिक्षिकाओं के नैतिकता स्कोर की तुलना

आयाम	सरकारी महिला (n=100)	निजी महिला (n=100)	टी-मूल्य	पी-मूल्य
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन
छात्रों के प्रति दायित्व	4.28	0.54	4.36	0.50
माता-पिता के प्रति दायित्व	4.14	0.58	4.16	0.56
समुदाय के प्रति दायित्व	3.94	0.66	4.02	0.64

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

पेशे के प्रति दायित्व	4.21	0.56	4.27	0.52
सहकर्मियों के प्रति दायित्व	4.02	0.60	4.14	0.58
कुल व्यावसायिक नैतिकता	**4.12**	**0.53**	**4.19**	**0.49**

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

परिणाम बताते हैं कि सरकारी एवं निजी विद्यालयों की महिला शिक्षिकाओं के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ($t = -0.99$, $p > 0.05$)। शून्य परिकल्पना (H03) स्वीकार की जाती है।

6.4 शैक्षिक योग्यता के आधार पर नैतिकता में अंतर

तालिका 5.5: शैक्षिक योग्यता के आधार पर नैतिकता स्कोर का ANOVA विश्लेषण

शैक्षिक योग्यता	N	माध्य	मानक विचलन	F-मूल्य	पी-मूल्य
स्नातक (B.Ed सहित)	180	4.02	0.57	4.56	0.011*
स्नातकोत्तर (B.Ed सहित)	150	4.12	0.53		
एम.फिल./पीएच.डी.	70	4.22	0.49		
कुल	**400**	**4.09**	**0.54**		

***0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण**

ANOVA परिणाम बताते हैं कि विभिन्न शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है ($F = 4.56$, $p < 0.05$)। उच्च शैक्षिक योग्यता (एम.फिल./पीएच.डी.) वाले शिक्षकों का नैतिकता स्कोर (माध्य = 4.22) स्नातक स्तर के शिक्षकों (माध्य = 4.02) से अधिक पाया गया। शून्य परिकल्पना (H04) अस्वीकार की जाती है।

6.5 जिला एवं विद्यालय प्रकार के संयुक्त प्रभाव का विश्लेषण

तालिका 5.6: जिला एवं विद्यालय प्रकार के आधार पर कुल नैतिकता स्कोर

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

जिला	विद्यालय प्रकार	N	माध्य	मानक विचलन
भोपाल	सरकारी	100	4.17	0.51
भोपाल	निजी	100	4.29	0.43
हरदा	सरकारी	100	3.92	0.60
हरदा	निजी	100	3.99	0.56

दो-तरफा ANOVA परिणाम:

- जिले का मुख्य प्रभाव: $F = 26.42$, $p < 0.001$ (महत्वपूर्ण)
- विद्यालय प्रकार का मुख्य प्रभाव: $F = 3.58$, $p = 0.059$ (लगभग महत्वपूर्ण)
- जिला x विद्यालय प्रकार अंतःक्रिया: $F = 0.24$, $p = 0.624$ (अमहत्वपूर्ण)

परिणाम बताते हैं कि जिले (ग्रामीण/शहरी) का शिक्षक नैतिकता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जबकि विद्यालय प्रकार (सरकारी/निजी) का प्रभाव सीमांत रूप से महत्वपूर्ण है।

7. चर्चा

इस अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, यद्यपि निजी विद्यालयों के शिक्षकों का स्कोर सभी आयामों में थोड़ा अधिक पाया गया। यह पूर्व में भोपाल एवं हरदा पर किए गए अध्ययनों के अनुरूप है, जहाँ भी यही प्रवृत्ति देखी गई थी। "सहकर्मियों के प्रति दायित्व" आयाम में निजी विद्यालयों का उच्च स्कोर निजी क्षेत्र में टीम वर्क एवं सहयोग की अधिक अपेक्षा के कारण हो सकता है।

पुरुष एवं महिला शिक्षकों के अलग-अलग विश्लेषण में भी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया, जो यह संकेत देता है कि लिंग के आधार पर विद्यालय प्रकार का कोई भिन्न प्रभाव नहीं है। यह IES University एवं RIE Bhopal जैसे संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षक शिक्षा की समान प्रकृति के कारण हो सकता है ।

शैक्षिक योग्यता के आधार पर उच्च योग्यता वाले शिक्षकों का नैतिकता स्कोर अधिक होना यह दर्शाता है कि उच्च शिक्षा नैतिक समझ एवं व्यावसायिक जिम्मेदारी को विकसित करने में सहायक होती है। यह वर्मा एवं गुप्ता (2019) के निष्कर्षों के अनुरूप है।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

दो-तरफा ANOVA के परिणामों ने स्पष्ट किया कि जिले (ग्रामीण/शहरी) का प्रभाव विद्यालय प्रकार के प्रभाव से अधिक महत्वपूर्ण है। यह पहले लेख के निष्कर्ष की पुष्टि करता है कि शहरी क्षेत्रों (भोपाल) के शिक्षक ग्रामीण क्षेत्रों (हरदा) के शिक्षकों की तुलना में अधिक नैतिक हैं।

8. निष्कर्ष एवं सिफारिशें

8.1 निष्कर्ष

इस अध्ययन से निष्कर्ष निकलता है कि सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, यद्यपि निजी विद्यालयों के शिक्षकों का स्कोर थोड़ा अधिक है। शैक्षिक योग्यता का शिक्षक नैतिकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जिले (ग्रामीण/शहरी) का प्रभाव विद्यालय प्रकार के प्रभाव से अधिक महत्वपूर्ण पाया गया।

8.2 सिफारिशें

1. सरकारी विद्यालयों में नैतिकता संवर्धन हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, विशेष रूप से सहकर्मियों के साथ सहयोग के क्षेत्र में।
2. शिक्षकों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, क्योंकि यह नैतिक समझ को बढ़ाता है।
3. ग्रामीण क्षेत्रों (हरदा) के सरकारी एवं निजी दोनों प्रकार के विद्यालयों के शिक्षकों के लिए विशेष नैतिकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
4. शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में व्यावसायिक नैतिकता पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए एवं इसे व्यावहारिक प्रशिक्षण से जोड़ा जाना चाहिए।
5. RIE Bhopal एवं IES University जैसे संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों तक पहुँच बढ़ानी चाहिए एवं उनके लिए विशेष कार्यक्रम विकसित करने चाहिए ।

9. संदर्भ

1. अल-होथली, एच. एम. (2018)। रियाद में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच शिक्षण व्यवसाय की नैतिकता: विद्यालय प्रमुखों के दृष्टिकोण से। *इंटरनेशनल एजुकेशन स्टडीज़*, 11(9), 47–63।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

2. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई)। (2014)। *शिक्षकों के लिए व्यावसायिक आचार संहिता*। नई दिल्ली: एनसीटीई।
3. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई)। (2009)। *शिक्षक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFTE)*। नई दिल्ली: एनसीटीई।
4. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल। (2002)। *मूल्य संवर्धन हेतु शिक्षक शिक्षा: शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट*। भोपाल: आरआईई।
5. शर्मा, आर. (2018)। माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता और उनकी शिक्षण प्रभावशीलता के संबंध में अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज़*, 8(4), 234–248।
6. वर्मा, एस., एवं गुप्ता, आर. (2019)। माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का उनके जनसांख्यिकीय चरों के संदर्भ में अध्ययन। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड एक्सटेंशन*, 56(2), 23–35।
7. सिंह, पी. (2016)। शिक्षक की व्यावसायिक नैतिकता एवं शैक्षिक गुणवत्ता: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन। *भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका*, 12(2), 45–52।
8. तिवारी, एस. के. (2017)। माध्यमिक शिक्षा में मूल्य शिक्षा की भूमिका। *शिक्षा विमर्श*, 9(1), 30–38।
9. मिश्रा, ए. (2015)। सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य-संतुष्टि एवं नैतिकता का तुलनात्मक अध्ययन। *भारतीय मनोवैज्ञानिक समीक्षा*, 20(3), 112–120।
10. पाण्डेय, आर. (2014)। शिक्षक शिक्षा में नैतिक मूल्यों का समावेशन। *समकालीन शिक्षा अध्ययन*, 5(4), 78–85।
11. आईईएस विश्वविद्यालय। (तिथि उपलब्ध नहीं)। *बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.) कार्यक्रम विवरण*। प्राप्त किया गया: https://www.iesuniversity.ac.in/graduate-program/bed
12. अग्रवाल, वी. (2018)। शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों में शिक्षक नैतिकता का तुलनात्मक अध्ययन। *मध्यप्रदेश शिक्षा शोध जर्नल*, 6(2), 66–74।